।। श्री महावीराय नमः ।।

।। श्री कुशलरत्नगजेन्द्रहीरागणिभ्यो नमः ।।

जैन-पञ्चाङ्ग

विक्रम सम्वत् : 2075
वीर सम्वत् : 2544-45
ईस्वी सन् : 2018-19

नमस्कार महामंत्र

णमो अरिहंताणं
णमो सिद्धाणं
णमो आयरियाणं
णमो उवज्झायाणं
णमो लोए सव्व साहूणं
एसो पंच णमोक्कारो
सव्व पावप्पणासणो।
मंगलाणं च सव्वेसिं
पढमं हवइ मंगलं।।

प्रकाशक :
अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ
सामायिक-स्वाध्याय भवन,
प्लॉट नं. 2, नेहरू पार्क , जोधपुर - 342001
फोन व फैक्स : 0291-2636763
E-mail : absjrhssangh@gmail.com

मुद्रक : एवरग्रीन प्रिण्टर्स, जोधपुर 9414128647

।। श्री महावीराय नमः ।।

आदरणीय रत्नबन्धुवर,

सादर जय जिनेन्द्र!

आगामी वर्ष विक्रम संवत् 2075 आप–हम सबके लिए सुख शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो।

आप स्वस्थ रहकर संघ–सेवा, संत–सेवा, स्वधर्मी वात्सल्य सेवा और मानवता की सेवा में तन–मन–धन एवं समय का भोग देकर संघ–समाज की दीप्ति में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। आध्यात्मिक साधना की ओर हम सभी गतिशील हो, इस मंगल भावना के साथ नववर्ष की हार्दिक शुभकामना।

पी. शिखरमल सुराणा
अध्यक्ष

सुशीला बोहरा
कार्याध्यक्ष

आनंद चौपड़ा
कार्याध्यक्ष

पूरणराज अबानी
महामंत्री

मंगलाचरण

अर्हन्तो भगवन्त–इन्द्र–महिताः
सिद्धाश्च सिद्धिस्थिताः।
आचार्या जिनशासनोन्नतिकराः
पूज्या उपाध्यायकाः।।
श्री सिद्धान्त–सुपाठका मुनिवरा
रत्न–त्रयाराधकाः।
पंचैते परमेष्ठिनः प्रतिदिनं
कुर्वन्तु नो मंगलम्।।

तुभ्यं नमः कुशल–वंश विभूषणाय,
तुभ्यं नमः सति–शिरोमणि–नन्दनाय।
तुभ्यं नमः सकल–संकट मोचकाय,
तुभ्यं नमो गणिगजेन्द्र! गणाधिपाय।।

श्री रत्न हस्तिगण नूतन ज्ञान सूर्यम्,
शान्तं प्रसन्न वदनं चतुरं सुधीरम्।
प्राप्तं बहुश्रुतपदम् करुणावतारम्,
नित्यम् नमामि सुप्रियङ्कर हीराचन्द्रम्
भक्त्या नमामि सुप्रियङ्कर हीराचन्द्रम्।।

ऊँ शान्ति शान्ति

आचार्य श्री हस्तीमलजी म.सा.

ऊँ शान्ति शान्ति शान्ति, सब मिल शान्ति कहो–2।।टेर।।
विश्वसेन अचला के नंदन, सुमिरण है सब दुःख निकन्दन।
अहो रात्रि वन्दन हो, सब मिल शान्ति कहो–2।।1।।
भीतर शान्ति बाहर शान्ति, तुझमें शान्ति मुझमें शान्ति।
सबमें शान्ति बसाओ, सब मिल शान्ति कहो–2।।2।।
विषय कषाय को दूर निवारो, काम क्रोध से करो किनारो।
शान्ति साधना यों हो, सब मिल शान्ति कहो–2।।3।।
शान्ति नाम जो जपते भाई, मन विशुद्ध हिय धीरज लाई।
अतुल शान्ति उन्हें हो, सब मिल शान्ति कहो–2।।4।।
प्रातः समय जो धर्म स्थान में, शान्ति पाठ करते मृदुस्वर में।
उनको दुःख नहीं हो, सब मिल शान्ति कहो–2।।5।।
शान्ति प्रभु सम समदर्शी हो, करे विश्वहित जो शक्ति हो।
'गजमुनि' सदा विजय हो, सब मिल शान्ति कहो–2।।6।।

चैत्र शुक्ल पक्ष (दिनांक 18 मार्च से 31 मार्च)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	रवि	18	उभा	मीन
2	चन्द्र	19	रे	मेष 20/08
3	मंगल	20	अ	मेष
4	बुध	21	भ	वृषभ 24/47
5	गुरु	22	कृ	वृषभ
6	शुक्र	23	रो	मिथुन 28/19
7	शनि	24	मृ	मिथुन
8	रवि	25	आर्द्रा	मिथुन
9	रवि	0	0	0
10	चंद्र	26	पुन	कर्क 7/16
11	मंगल	27	पुष्य	कर्क
12	बुध	28	श्ले	सिंह 10/00
13	गुरु	29	म	सिंह
14	शुक्र	30	पूफा	कन्या 13/10
15	शनि	31	हस्त	कन्या

आवेश में किया हुआ कोई भी काम स्व-पर हितकारक नहीं होता।

वैशाख कृष्ण पक्ष (दिनांक 1 अप्रेल से 16 अप्रेल)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	रवि	1	चि	तुला 17/49
2	चंद्र	2	स्वा	तुला
3	मंगल	3	वि	वृश्चिक 25/09
4	बुध	4	वि	वृश्चिक
5	गुरु	5	अनु	वृश्चिक
6	शुक्र	6	ज्ये	धनु 11/41
7	शनि	7	मूल	धनु
8	रवि	8	पूषा	मकर 24/22
9	चंद्र	9	उषा	मकर
10	मंगल	10	श्र	मकर
10	बुध	11	ध	कुंभ 12/36
11	गुरु	12	श	कुंभ
12	शुक्र	13	पूभा	मीन 22/03
13	शनि	14	उभा	मीन
14	रवि	15	रे	मेष 28/04
30	चन्द्र	16	अ	मेष

शिष्य के जीवन में गुरु ही सबसे बड़े चिकित्सक है।

वैशाख शुक्ल पक्ष (दिनांक 17 अप्रेल से 30 अप्रेल)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	चन्द्र	0	0	0
2	मंगल	17	भ	मेष
3	बुध	18	कृ	वृषभ 7/34
4	गुरु	19	रो	वृषभ
5	शुक्र	20	मृ	मिथुन 10/2
6	शनि	21	आर्द्रा	मिथुन
7	रवि	22	पुर्न	कर्क 12/37
8	चंद्र	23	पुष्य	कर्क
9	मंगल	24	श्ले	सिंह 15/58
10	बुध	25	मघा	सिंह
11	गुरु	26	पूफा	कन्या 20/17
12	शुक्र	27	उफा	कन्या
13	शनि	28	ह	तुला 25/56
14	रवि	29	चि	तुला
15	चंद्र	30	स्वा	तुला

प्र. ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दिनांक 01 मई से 15 मई)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	मंगल	1	वि	वृश्चिक 9/35
2	बुध	2	अनु	वृश्चिक
3	गुरु	3	ज्ये	धनु 19/51
4	शुक्र	4	मूल	धनु
5	शनि	5	पूषा	धनु
6	रवि	6	उषा	मकर 8/18
7	चंद्र	7	श्र	मकर
8	मंगल	8	श्र	कुंभ 20/58
9	बुध	9	ध	कुंभ
10	गुरु	10	श	कुंभ
11	शुक्र	11	पूभा	मीन 7/10
12	शनि	12	उभा	मीन
13	रवि	13	रे	मेष 13/30
14	चंद्र	14	अ	मेष
30	मंगल	15	भ	वृषभ 16/28

जिन्हें अनुशासन में रहना पसंद है, उन्हे ही जिनशासन मिलता है।

प्र. ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दिनांक 16 मई से 29 मई)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	बुध	16	कृ	वृषभ
2	गुरु	17	रो	मिथुन 17/40
3	शुक्र	18	आर्द्रा	मिथुन
4	शुक्र	0	0	0
5	शनि	19	पुर्न	कर्क 18/52
6	रवि	20	पुष्य	कर्क
7	चंद्र	21	श्ले	सिंह 21/24
8	मंगल	22	मघा	सिंह
9	बुध	23	पूफा	कन्या 25/49
10	गुरु	24	उफा	कन्या
11	शुक्र	25	हस्त	कन्या
12	शनि	26	चित्रा	तुला 8/14
13	रवि	27	स्वा	तुला
14	चंद्र	28	वि	वृश्चिक 16/39
15	मंगल	29	अनु	वृश्चिक

द्वि.ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष(दिनांक 30 मई से 13 जून)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	बुध	30	ज्ये	धनु 27/11
2	गुरु	31	मूल	धनु
3	शुक्र	1	मूल	धनु
4	शनि	2	पूषा	मकर 15/36
5	रवि	3	उषा	मकर
5	चंद्र	4	श्र	कुंभ 28/33
6	मंगल	5	ध	कुंभ
7	बुध	6	शत	कुंभ
8	गुरु	7	पूभा	मीन 15/42
9	शुक्र	8	उभा	मीन
10	शनि	9	रे	मेष 23/09
11	रवि	10	अ	मेष
12	चंद्र	11	भ	वृषभ 26/38
13	मंगल	12	कृ	वृषभ
14	मंगल	0	0	0
30	बुध	13	रो	मिथुन 27/24

चाहे कैसी भी मजबूरी हो, पर नित्य सामायिक जरूरी हो।

द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दिनांक 14 जून से 28 जून)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	गुरु	14	मृग	मिथुन
2	शुक्र	15	आर्द्रा	कर्क 27/21
3	शनि	16	पुर्न	कर्क
4	रवि	17	पुष्य	सिंह 28/18
5	चंद्र	18	मघा	सिंह
6	मंगल	19	पूफा	सिंह
7	मंगल	0	0	0
8	बुध	20	उफा	कन्या 7/35
9	गुरु	21	हस्त	कन्या
10	शुक्र	22	चित्रा	तुला 13/42
11	शनि	23	स्वा	तुला
12	रवि	24	वि	वृश्चिक 22/32
13	चंद्र	25	अनु	वृश्चिक
13	मंगल	26	अनु	वृश्चिक
14	बुध	27	ज्ये	धनु 9/34
15	गुरु	28	मूल	धनु

आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दिनांक 29 जून से 13 जुलाई)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शुक्र	29	पूषा	मकर 22/7
2	शनि	30	उषा	मकर
3	रवि	1	श्र	मकर
4	चंद्र	2	ध	कुंभ 11/7
5	मंगल	3	शत	कुंभ
6	बुध	4	पूभा	मीन 22/53
7	गुरु	5	उभा	मीन
8	शुक्र	6	उभा	मीन
9	शनि	7	रे	मेष 7/39
10	रवि	8	अ	मेष
11	चंद्र	9	भ	वृषभ 12/31
12	मंगल	10	रो	वृषभ
13	बुध	11	मृग	मिथुन 14/1
14	गुरु	12	आर्द्रा	मिथुन
30	शुक्र	13	पुन	कर्क 13/42

इच्छाओं के निरोध से ही मोक्ष प्राप्त होता है।

आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दिनांक 14 जुलाई से 27 जुलाई)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शुक्र	0	0	0
2	शनि	14	पुष्य	कर्क
3	रवि	15	श्ले	सिंह 13/27
4	चंद्र	16	मघा	सिंह
5	मंगल	17	पूफा	कन्या 15/6
6	बुध	18	उफा	कन्या
7	गुरु	19	हस्त	तुला 19/55
8	शुक्र	20	चित्रा	तुला
9	शनि	21	स्वा	वृश्चिक 28/16
10	रवि	22	वि	वृश्चिक
11	चंद्र	23	अनु	वृश्चिक
12	मंगल	24	ज्ये	धनु 15/27
13	बुध	25	मूल	धनु
14	गुरु	26	पूषा	मकर 28/11
15	शुक्र	27	उषा	मकर

शासन की उन्नति के लिए संघ को समर्थ होना चाहिए।

श्रावण कृष्ण पक्ष (दिनांक 28 जुलाई से 11 अगस्त)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शनि	28	श्र	मकर
2	रवि	29	ध	कुंभ 17/5
2	चंद्र	30	ध	कुंभ
3	मंगल	31	शत	मीन 28/53
4	बुध	1	पूभा	मीन
5	गुरु	2	उभा	मीन
6	शुक्र	3	रे	मेष 14/24
7	शनि	4	अ	मेष
8	रवि	5	भ	वृषभ 20/45
9	चंद्र	6	कृ	वृषभ
10	मंगल	7	रो	मिथुन 23/48
11	मंगल	0	0	0
12	बुध	8	मृग	मिथुन
13	गुरु	9	आर्द्रा	कर्क 24/24
14	शुक्र	10	पुष्य	कर्क
30	शनि	11	श्ले	सिंह 24/4

द्वेष हमें इन्सान बनने नहीं देता और राग हमें भगवान बनने नहीं देता।

श्रावण शुक्ल पक्ष (दिनांक 12 अगस्त से 26 अगस्त)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	रवि	12	मघा	सिंह
2	चंद्र	13	पूफा	कन्या 24/38
3	चंद्र	0	0	0
4	मंगल	14	उफा	कन्या
5	बुध	15	हस्त	तुला 27/54
6	गुरु	16	चित्रा	तुला
7	शुक्र	17	स्वा	तुला
8	शनि	18	वि	वृश्चिक 10/58
9	रवि	19	अनु	वृश्चिक
10	चंद्र	20	ज्ये	धनु 21/40
11	मंगल	21	मूल	धनु
11	बुध	22	पूषा	धनु
12	गुरु	23	उषा	मकर 10/26
13	शुक्र	24	उषा	मकर
14	शनि	25	श्र	कुंभ 23/14
15	रवि	26	ध	कुंभ

भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दिनांक 27 अगस्त से 9 सितम्बर)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	चंद्र	27	शत	कुंभ
2	मंगल	28	पूभा	मीन 10/39
3	बुध	29	उभा	मीन
4	गुरु	30	रे	मेष 20/00
5	शुक्र	31	अ	मेष
6	शनि	1	भ	वृषभ 27/1
7	रवि	2	कृ	वृषभ
8	चंद्र	3	रो	वृषभ
9	मंगल	4	मृग	मिथुन 7/31
10	बुध	5	आर्द्रा	मिथुन
11	गुरु	6	पुन	कर्क 9/45
12	शुक्र	7	पुष्य	कर्क
13	शुक्र	0	0	0
14	शनि	8	श्ले	सिंह 10/28
30	रवि	9	मघा	सिंह

किसी का बिगाड़ो मत, किसी से बिगड़ो मत।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दिनांक 10 सितम्बर से 25 सितम्बर)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	चंद्र	10	उफा	कन्या 11/8
2	मंगल	11	हस्त	कन्या
3	बुध	12	चित्रा	तुला 13/30
4	गुरु	13	स्वा	तुला
5	शुक्र	14	वि	वृश्चिक 19/13
6	शनि	15	अनु	वृश्चिक
7	रवि	16	ज्ये	धनु 28/54
8	चंद्र	17	मूल	धनु
9	मंगल	18	मूल	धनु
10	बुध	19	पूषा	मकर 17/22
11	गुरु	20	उषा	मकर
12	शुक्र	21	श्र	कुंभ 30/10
13	शनि	22	ध	कुंभ
14	रवि	23	शत	कुंभ
14	चन्द्र	24	पूभा	मीन 17/14
15	मंगल	25	उभा	मीन

वचन सिद्धि के लिए वचन शुद्धि आवश्यक है।

आश्विन कृष्ण पक्ष (दिनांक 26 सितम्बर से 9 अक्टूबर)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	बुध	26	रे	मेष 25/54
2	गुरु	27	अ	मेष
3	शुक्र	28	भ	मेष
4	शनि	29	कृ	वृषभ 8/25
5	रवि	30	रो	वृषभ
6	रवि	0	0	0
7	चंद्र	1	मृग	मिथुन 13/17
8	मंगल	2	आर्द्रा	मिथुन
9	बुध	3	पुन	कर्क 16/45
10	गुरु	4	पुष्य	कर्क
11	शुक्र	5	श्ले	सिंह 19/2
12	शनि	6	मघा	सिंह
13	रवि	7	पूफा	कन्या 20/50
14	चन्द्र	8	उफा	कन्या
30	मंगल	9	हस्त	तुला 23/28

व्रत लेने से आत्मा का नियमन होता है।

आश्विन शुक्ल पक्ष (दिनांक 10 अक्टूबर से 24 अक्टूबर)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	बुध	10	चित्रा	तुला
2	बुध	0	0	0
3	गुरु	11	स्वा	वृश्चिक 28/33
4	शुक्र	12	वि	वृश्चिक
5	शनि	13	अनु	वृश्चिक
6	रवि	14	ज्ये	धनु 13/13
6	चंद्र	15	मूल	धनु
7	मंगल	16	पूषा	मकर 25/07
8	बुध	17	उषा	मकर
9	गुरु	18	श्र	मकर
10	शुक्र	19	ध	कुंभ 14/1
11	शनि	20	शत	कुंभ
12	रवि	21	पूभा	मीन 25/11
13	चन्द्र	22	पूभा	मीन
14	मंगल	23	उभा	मीन
15	बुध	24	रे	मेष 9/22

समय मिला अनमोल, धर्म करो दिल खोल।

कार्तिक कृष्ण पक्ष (दिनांक 25 अक्टूबर से 7 नवम्बर)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	गुरु	25	अ	मेष
2	शुक्र	26	भ	वृषभ 14/53
3	शनि	27	कृ	वृषभ
4	रवि	28	रो	मिथुन 18/50
5	चंद्र	29	आर्द्रा	मिथुन
6	मंगल	30	पुन	कर्क 22/09
7	बुध	31	पुष्य	कर्क
8	गुरु	1	श्ले	सिंह 25/15
9	शुक्र	2	मघा	सिंह
10	शुक्र	0	0	0
11	शनि	3	पूफा	कन्या 28/25
12	रवि	4	उफा	कन्या
13	चन्द्र	5	हस्त	कन्या
14	मंगल	6	चित्रा	तुला 8/12
30	बुध	7	स्वा	तुला

'संघ' शीतल घर की तरह है।

कार्तिक शुक्ल पक्ष (दिनांक 8 नवम्बर से 23 नवम्बर)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	गुरु	8	वि	वृश्चिक 13/41
2	शुक्र	9	अनु	वृश्चिक
3	शनि	10	ज्ये	धनु 21/58
4	रवि	11	मूल	धनु
5	चंद्र	12	पूषा	धनु
6	मंगल	13	उषा	मकर 9/20
7	बुध	14	श्र	मकर
7	गुरु	15	श्र	कुंभ 22/16
8	शुक्र	16	ध	कुंभ
9	शनि	17	शत	कुंभ
10	रवि	18	पूभा	मीन 10/2
11	चन्द्र	19	उभा	मीन
12	मंगल	20	रे	मेष 18/33
13	बुध	21	अ	मेष
14	गुरु	22	भ	वृषभ 23/35
15	शुक्र	23	कृ	वृषभ

व्यक्ति का रक्षण संघ द्वारा होता है।

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दिनांक 24 नवम्बर से 7 दिसम्बर)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शनि	24	रो	मिथुन 26/18
2	शनि	0	0	0
3	रवि	25	मृग	मिथुन
4	चंद्र	26	आर्द्रा	कर्क 28/15
5	मंगल	27	पुन	कर्क
6	बुध	28	पुष्य	सिंह 30/37
7	गुरु	29	मघा	सिंह
8	शुक्र	30	पूफा	सिंह
9	शनि	1	उफा	कन्या 10/3
10	रवि	2	हस्त	कन्या
11	चन्द्र	3	चित्रा	तुला 14/51
12	मंगल	4	स्वा	तुला
13	बुध	5	वि	वृश्चिक 21/22
14	गुरु	6	अनु	वृश्चिक
30	शुक्र	7	ज्ये	धनु 30/5

साधना के मार्ग में चलने से मनुष्य में निर्भयता आती है।

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दिनांक 8 दिसम्बर से 22 दिसम्बर)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	शनि	8	मूल	धनु
2	रवि	9	मूल	धनु
3	चंद्र	10	पूषा	मकर 17/17
4	मंगल	11	उषा	मकर
5	बुध	12	श्र	कुंभ 30/10
6	गुरु	13	ध	कुंभ
7	शुक्र	14	शत	कुंभ
8	शनि	15	पूभा	मीन 18/38
9	रवि	16	उभा	मीन
9	चन्द्र	17	रे	मेष 28/16
10	मंगल	18	अ	मेष
11	बुध	19	भ	मेष
12	बुध	0	0	0
13	गुरु	20	कृ	वृषभ 9/58
14	शुक्र	21	रो	वृषभ
15	शनि	22	मृग	मिथुन 12/20

पौष कृष्ण पक्ष (दिनांक 23 दिसम्बर से 5 जनवरी)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	रवि	23	आर्द्रा	मिथुन
2	चंद्र	24	पुन	कर्क 12/58
3	मंगल	25	पुष्य	कर्क
4	बुध	26	श्ले	सिंह 13/38
5	गुरु	27	मघा	सिंह
6	गुरु	0	0	0
7	शुक्र	28	पूफा	कन्या 15/47
8	शनि	29	उफा	कन्या
9	रवि	30	हस्त	तुला 20/16
10	चन्द्र	31	चित्रा	तुला
11	मंगल	1	स्वा	वृश्चिक 27/22
12	बुध	2	वि	वृश्चिक
13	गुरु	3	अनु	वृश्चिक
14	शुक्र	4	ज्ये	धनु 12/52
30	शनि	5	मूल	धनु

पौष शुक्ल पक्ष (दिनांक 6 जनवरी से 21 जनवरी)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	रवि	6	पूषा	मकर 24/24
1	चंद्र	7	उषा	मकर
2	मंगल	8	श्र	मकर
3	बुध	9	ध	कुंभ 13/14
4	गुरु	10	शत	कुंभ
5	शुक्र	11	पूभा	मीन 26/2
6	शनि	12	पूभा	मीन
7	रवि	13	उभा	मीन
8	चन्द्र	14	रे	मेष 12/51
9	मंगल	15	अ	मेष
10	बुध	16	भ	वृषभ 20/7
11	गुरु	17	कृ	वृषभ
12	शुक्र	18	रो	मिथुन 23/31
13	शनि	19	मृग	मिथुन
14	रवि	20	आर्द्रा	कर्क 24/4
15	चन्द्र	21	पुष्य	कर्क

माघ कृष्ण पक्ष (दिनांक 22 जनवरी से 4 फरवरी)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	चन्द्र	0	0	0
2	मंगल	22	श्ले	सिंह 23/31
3	बुध	23	मघा	सिंह
4	गुरु	24	पूफा	कन्या 23/48
5	शुक्र	25	उफा	कन्या
6	शनि	26	हस्त	तुला 26/38
7	रवि	27	चित्रा	तुला
8	चन्द्र	28	स्वा	तुला
9	मंगल	29	वि	वृश्चिक 8/58
10	बुध	30	अनु	वृश्चिक
11	गुरु	31	ज्ये	धनु 18/39
12	शुक्र	1	मूल	धनु
13	शनि	2	पूषा	मकर 30/38
14	रवि	3	उषा	मकर
30	चन्द्र	4	श्र	मकर

जीवन में धर्म का स्थान वृक्ष में मूल के समान है।

माघ शुक्ल पक्ष (दिनांक 5 फरवरी से 19 फरवरी)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	मंगल	5	ध	कुंभ 19/34
2	बुध	6	ध	कुंभ
2	गुरु	7	शत	कुंभ
3	शुक्र	8	पूभा	मीन 8/17
4	शनि	9	उभा	मीन
5	रवि	10	रे	मेष 19/36
6	चंद्र	11	अ	मेष
7	मंगल	12	भ	वृषभ 28/18
8	बुध	13	कृ	वृषभ
9	गुरु	14	रो	वृषभ
10	शुक्र	15	मृग	मिथुन 9/31
11	शनि	16	आर्द्रा	मिथुन
12	रवि	17	पुन	कर्क 11/22
13	रवि	0	0	0
14	चन्द्र	18	पुष्य	कर्क
15	मंगल	19	श्ले	सिंह 11/2

मनुष्य जीवन का महत्त्व व्रत-नियम से है।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दिनांक 20 फरवरी से 6 मार्च)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	बुध	20	मघा	सिंह
2	गुरु	21	उफा	कन्या 10/21
3	शुक्र	22	हस्त	कन्या
4	शनि	23	चित्रा	तुला 11/26
5	शनि	0	0	0
6	रवि	24	स्वा	तुला
7	चंद्र	25	वि	वृश्चिक 16/1
8	मंगल	26	अनु	वृश्चिक
9	बुध	27	ज्ये	धनु 24/44
10	गुरु	28	मूल	धनु
10	शुक्र	1	पूषा	धनु
11	शनि	2	उषा	मकर 12/39
12	रवि	3	उषा	मकर
13	चन्द्र	4	श्र	कुंभ 25/43
14	मंगल	5	ध	कुंभ
30	बुध	6	शत	कुंभ

फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दिनांक 7 मार्च से 21 मार्च)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	गुरु	7	पूभा	मीन 14/14
2	शुक्र	8	उभा	मीन
3	शनि	9	रे	मेष 25/17
4	रवि	10	अ	मेष
5	चंद्र	11	भ	मेष
6	मंगल	12	कृ	वृषभ 10/22
7	बुध	13	रो	वृषभ
8	गुरु	14	मृग	मिथुन 16/57
9	शुक्र	15	आ	मिथुन
10	शनि	16	पुन	कर्क 20/38
11	रवि	17	पुष्य	कर्क
12	चन्द्र	18	श्ले	सिंह 21/45
13	मंगल	19	मघा	सिंह
14	बुध	20	पूफा	कन्या 21/34
15	गुरु	21	उफा	कन्या

चैत्र कृष्ण पक्ष (दिनांक 22 मार्च से 5 अप्रेल)				
तिथि	वार	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्र
1	गुरु	0	0	0
2	शुक्र	22	हस्त	तुला 22/1
3	शनि	23	चित्रा	तुला
4	रवि	24	स्वा	वृश्चिक 25/7
5	चंद्र	25	वि	वृश्चिक
6	मंगल	26	अनु	वृश्चिक
7	बुध	27	ज्ये	धनु 8/18
8	गुरु	28	मूल	धनु
9	शुक्र	29	पूषा	मकर 19/22
10	शनि	30	उषा	मकर
11	रवि	31	श्र	मकर
12	चन्द्र	1	ध	कुंभ 8/20
12	मंगल	2	शत	कुंभ
13	बुध	3	पूभा	मीन 20/47
14	गुरु	4	उभा	मीन
30	शुक्र	5	रे	मीन

वक्ता चारित्र सम्पन्न हो, श्रोता श्रद्धा सम्पन्न हो।

महत्त्वपूर्ण पर्व – तिथियाँ

- आयंबिल ओली प्रारम्भ
  चैत्र शुक्ला 6, शुक्रवार, 23.3.2018
- भगवान महावीर जन्म कल्याणक
  चैत्र शुक्ला 13, गुरुवार, 29.3.2018
- आयंबिल ओली पूर्ण
  चैत्र शुक्ला 15, शनिवार, 31.3.2018
- अक्षय तृतीया (वर्षीतप पारणा),आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. का 89वाँ आचार्य पद दिवस एवं आचार्य पूज्य श्री कजोड़ीमलजी म.सा. की 139 वीं पुण्य तिथि
  वैशाख शुक्ला 3, बुधवार, 18.4.2018
- आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमलजी म.सा. की 27 वीं पुण्य तिथि
  वैशाख शुक्ला 8, सोमवार, 23.4.2018
- भगवान महावीर केवल कल्याणक
  वैशाख शुक्ला 10, बुधवार, 25.4.2018
- संघ स्थापना दिवस
  वैशाख शुक्ला 11, गुरुवार, 26.4.2018
- आचार्य प्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. का 28 वां आचार्य पदारोहण दिवस
  प्र.ज्येष्ठ कृष्णा 5, शनिवार, 5.5.2018

- परम्परा के मूलपुरुष पूज्य श्री कुशलचन्द्रजी म.सा. की 235 वीं पुण्य तिथि

  प्र.ज्येष्ठ कृष्णा 6, रविवार, 6.5.2018

- आर्द्रा नक्षत्र प्रारम्भ (इसके पश्चात् गाजबीज होने पर सूत्र की असज्झाय नहीं रहेगी।)

  द्वि.ज्येष्ठ शुक्ला 10, शुक्रवार, 22.6.2018

- क्रियोद्धारक आचार्य पूज्य श्री रत्नचन्द्रजी म.सा. की 173 वीं पुण्य तिथि
- द्वि.ज्येष्ठ शुक्ला 14, बुधवार, 27.6.2018
- 222 वाँ क्रियोद्धार दिवस

  आषाढ़ कृष्णा 2, शनिवार, 30.6.2018

- चातुर्मास प्रारम्भ (चातुर्मासिक पर्व)

  आषाढ़ शुक्ला 15, शुक्रवार, 27.7.2018

- आचार्य पूज्य श्री शोभाचन्द्रजी म.सा. की 92 वीं पुण्य तिथि

  श्रावण कृष्णा 30, शनिवार, 11.8.2018

- पर्युषण पर्व प्रारम्भ

  भाद्रपद कृष्णा 11, गुरुवार, 6.9.2018

- संवत्सरी महापर्व
  भाद्रपद शुक्ला 4, गुरुवार, 13.9.2018
- आयंबिल ओली प्रारम्भ
  आश्विन शुक्ला 7, मंगलवार, 16.10.2018
- आचार्य पूज्य श्री भूधरजी म.सा. की पुण्य तिथि
  आश्विन शुक्ला 10, शुक्रवार, 19.10.2018
- आयंबिल ओली पूर्ण, स्वाति नक्षत्र (इसके पश्चात् गाजबीज होने पर सूत्र की असज्झाय रहेगी)
  आश्विन शुक्ला 15, बुधवार, 24.10.2018
- आचार्य पूज्य श्री हमीरमलजी म.सा. की 165 वीं पुण्य तिथि
  कार्तिक कृष्णा 1, गुरुवार, 25.10.2018
- आचार्य पूज्य श्री गुमानचन्द्रजी म.सा. की 217 वीं पुण्य तिथि
  कार्तिक कृष्णा 8, गुरुवार, 1.11.2018
- भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक
  कार्तिक कृष्णा 30, बुधवार, 7.11.2018
- वीर संवत् 2545 प्रारम्भ एवं गौतम प्रतिपदा
  कार्तिक शुक्ला 1, गुरुवार, 8.11.2018
- ज्ञान पंचमी
  कार्तिक शुक्ला 5, सोमवार, 12.11.2018

- आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. का 56 वाँ दीक्षा दिवस
  कार्तिक शुक्ला 6, मंगलवार, 13.11.2018
- चातुर्मास समापन (चातुर्मासिक पर्व)
  कार्तिक शुक्ला 14, गुरुवार, 22.11.2018
- वीर लोंकाशाह जयन्ती
  कार्तिक शुक्ला 15, शुक्रवार, 23.11.2018
- आचार्य पूज्य श्री विनयचन्द्रजी म.सा. की 103वीं पुण्य तिथि
  मार्गशीर्ष कृष्णा 12, मंगलवार, 4.12.2018
- मौन एकादशी
  मार्गशीर्ष शुक्ला 11, बुधवार, 19.12.2018
- भगवान पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक
  पौष कृष्णा 10, सोमवार, 31.12.2018
- फाल्गुनी चौमासी पर्व (चातुर्मासिक पर्व)
  फाल्गुन शुक्ला 14, बुधवार, 20.3.2019
- भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक एवं आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. का 81 वाँ जन्म दिवस
  चैत्र कृष्णा 8, गुरुवार, 28.3.2019

पच्चक्खाण

नवकारसी : उग्गए सूरे णमुक्कारसहियं पच्चक्खामि चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थणाभोगेणं सहसागारेणं वोसिरामि।

पोरसि : उग्गए सूरे पोरिसियं पच्चक्खामि चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थणाभोगेणं सहसागारेणं पच्छन्नकालेणं दिसामोहेणं साहुवयणेणं सव्वसमाहि–वत्तियागारेणं वोसिरामि।

एकासन : उग्गए सूरे एगासणं पच्चक्खामि तिविहंपि आहारं असणं खाइमं साइमं अण्ण–त्थणाभोगेणं सहसागारेणं सागारियागारेणं आउंट्टणपसारणेणं गुरुअब्भुट्ठाणेणं महत्त–रागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि।

आयंबिल : उग्गए सूरे आयंबिलं पच्चक्खामि अण्णत्थणाभोगेणं सहसागारेणं लेवालेवेणं उक्खित्तविवेगेणं गिहिसंसट्ठेणं महत्तरागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि।

उपवास : उग्गए सूरे अभत्तट्ठं पच्चक्खामि चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थणाभोगेणं सहसागारेणं महत्तरागारेणं सव्वसमाहि– वत्तियागारेणं वोसिरामि।

पच्चक्खाण पारने का पाठ

..... पच्चक्खाणं कयं तं पच्चक्खाणं सम्मं काएणं, न फासियं, न पालियं, न तीरियं, न किट्टियं, न सोहियं, न आराहियं, आणाए अणुपालियं न भवइ तस्स मिच्छा मि दुक्कडं।

नोट : रिक्त स्थान में जो पच्चक्खाण किया हो उसका नाम बोलें जैसे णमुक्कारसहियं, पोरिसियं, एगासणं आदि।

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका

जोधपुर

माह	सूर्योदय	सूर्यास्त	नवकारसी	पौरषी
जन. 1	7.27	5.55	8.15	10.04
16	7.29	6.05	8.17	10.08
फर. 1	7.25	6.22	8.13	10.10
16	7.16	6.24	8.04	10.03
मार्च 1	7.03	6.37	7.51	9.57
16	6.48	6.45	7.36	9.48
अप्रेल 1	6.31	6.53	7.19	9.37
16	6.16	7.00	7.04	9.27
मई 1	6.03	7.07	6.51	9.19
16	5.53	7.14	6.41	9.14
जून 1	5.47	7.23	6.35	9.11
16	5.48	7.29	6.36	9.14
जुलाई 1	5.51	7.32	6.39	9.17
16	5.57	7.31	6.45	9.21
अगस्त 1	6.05	7.22	6.53	9.25
16	6.13	7.11	7.01	9.28
सित. 1	6.19	6.57	7.07	9.29
16	6.25	6.41	7.13	9.29
अक्टू. 1	6.31	6.24	7.19	9.30
16	6.38	6.09	7.26	9.31
नव. 1	6.48	5.55	7.36	9.35
16	6.58	5.46	7.46	9.40
दिस. 1	7.11	5.44	7.59	9.50
16	7.18	5.46	8.06	9.55

बुराई करो नहीं, भलाई का फल चाहो नहीं।

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका

जयपुर

माह	सूर्योदय	सूर्यास्त	नवकारसी	पौरषी
जन. 1	7.17	5.43	8.05	9.54
16	7.17	5.56	8.05	9.57
फर. 1	7.14	6.08	8.02	9.58
16	7.03	6.18	7.51	9.52
मार्च 1	6.53	6.26	7.41	9.47
16	6.37	6.35	7.25	9.37
अप्रेल 1	6.18	6.43	7.06	9.25
16	6.04	6.51	6.52	9.16
मई 1	5.50	6.59	6.38	9.08
16	5.40	7.07	6.28	9.02
जून 1	5.33	7.15	6.21	8.59
16	5.33	7.22	6.21	9.01
जुलाई 1	5.36	7.24	6.24	9.03
16	5.43	7.22	6.31	9.08
अगस्त 1	5.52	7.14	6.40	9.13
16	5.59	7.03	6.47	9.15
सित. 1	6.06	6.48	6.54	9.17
16	6.14	6.30	7.02	9.18
अक्टू. 1	6.21	6.13	7.09	9.19
16	6.28	5.57	7.16	9.21
नव. 1	6.38	5.42	7.26	9.24
16	6.49	5.34	7.37	9.31
दिस. 1	7.00	5.33	7.48	9.39
16	7.10	5.35	7.58	9.47

आचार वह है जो जीवन को पवित्र बनावे।

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका

मुम्बई

माह	सूर्योदय	सूर्यास्त	नवकारसी	पौरषी
जन. 1	7.13	6.11	8.01	9.58
16	7.16	6.20	8.04	10.02
फर. 1	7.15	6.30	8.03	10.04
16	7.09	6.37	7.57	10.01
मार्च 1	7.00	6.43	7.48	9.56
16	6.48	6.47	7.36	9.48
अप्रेल 1	6.35	6.51	7.23	9.39
16	6.23	6.55	7.11	9.31
मई 1	6.13	6.59	7.01	9.25
16	6.06	7.04	6.54	9.21
जून 1	6.02	7.10	6.50	9.19
16	6.03	7.15	6.51	9.21
जुलाई 1	6.06	7.18	6.54	9.24
16	6.11	7.18	6.59	9.28
अगस्त 1	6.17	7.13	7.05	9.31
16	6.21	7.05	7.09	9.32
सित. 1	6.25	6.53	7.13	9.32
16	6.28	6.41	7.16	9.32
अक्टू. 1	6.30	6.27	7.18	9.30
16	6.34	6.15	7.22	9.30
नव. 1	6.40	6.05	7.28	9.32
16	6.48	5.59	7.36	9.36
दिस. 1	6.56	5.59	7.44	9.42
16	7.06	6.03	7.54	9.51

पच्चक्खाण मार्गदर्शिका

चैन्नई

माह	सूर्योदय	सूर्यास्त	नवकारसी	पौरषी
जन. 1	6.33	5.52	7.21	9.23
16	6.37	5.59	7.25	9.28
फर. 1	6.37	6.08	7.25	9.30
16	6.33	6.13	7.21	9.28
मार्च 1	6.27	6.16	7.15	9.25
16	6.18	6.18	7.06	9.18
अप्रेल 1	6.07	6.19	6.55	9.10
16	5.57	6.20	6.45	9.03
मई 1	5.50	6.23	6.38	8.59
16	5.45	6.26	6.33	8.56
जून 1	5.43	6.30	6.31	8.55
16	5.44	6.35	6.32	8.57
जुलाई 1	5.47	6.38	6.35	9.00
16	5.51	6.38	6.39	9.03
अगस्त 1	5.55	6.36	6.43	9.06
16	5.58	6.29	6.46	9.06
सित. 1	5.59	6.20	6.47	9.05
16	5.59	6.09	6.47	9.02
अक्टू. 1	6.00	5.58	6.48	9.00
16	6.01	5.49	6.49	8.58
नव. 1	6.04	5.41	6.52	8.59
16	6.10	5.38	6.58	9.02
दिस. 1	6.17	5.39	7.05	9.08
16	6.25	5.44	7.13	9.15

भला व्यक्ति भी नीच की संगति से कलंकित होता है।

रोहिणी नक्षत्र

चैत्र शुक्ल	6	शक्रवार	23.03.2018
वैशाख शुक्ल	4	गुरुवार	19.04.2018
प्र. ज्येष्ठ शुक्ल	2	गुरुवार	17.05.2018
द्वि. ज्येष्ठ कृष्ण	30	बुधवार	13.06.2018
आषाढ़ कृष्ण	12	मंगलवार	10.07.2018
श्रावण कृष्ण	10—11	मंगलवार	07.08.2018
भाद्रपद कृष्ण	8	सोमवार	03.09.2018
आश्विन कृष्ण	5—6	रविवार	30.09.2018
कार्तिक कृष्ण	4	रविवार	28.10.2018
मार्गशीर्ष कृष्ण	1—2	शनिवार	24.11.2018
मार्गशीर्ष शुक्ल	14	शुक्रवार	21.12.2018
पौष शुक्ल	12	शुक्रवार	18.01.2019
माघ शुक्ल	9	गुरुवार	14.02.2019
फाल्गुन शुक्ल	7	बुधवार	13.03.2019

चन्द्रग्रहण

आषाढ़ शुक्ल 15,शुक्रवार, 27.07.2018

पुष्य नक्षत्र दिनांक अनुसार

प्रारम्भ	पूर्ण
26.03.18 सोम दोप. 12.55 से	27.03.18 मंगल प्रातः 11.27 तक
22.04.18 रवि सायं 6.18 से	23.04.18 सोम सायं 5.02 तक
19.05.18 शनि रात्रि 12.25 से	20.05.18 रवि रात्रि 10.43 तक
16.06.18 शनि प्रातः 8.43 से	17.06.18 रवि प्रातः 6.19 तक
13.07.18 शुक्र सायं 6.59 से	14.07.18 शनि सायं 4.06 तक
09.08.18 गुरु रात्रि 5.44 से	10.08.18 शुक्र रात्रि 2.53 तक
06.09.18 गुरु दोप. 3.14 से	07.09.18 शुक्र दोप. 12.55 तक
03.10.18 बुध रात्रि 10.24 से	04.10.18 गुरु रात्रि 8.48 तक
30.10.18 मंगल रात्रि 3.51 से	31.10.18 बुध रात्रि 2.33 तक
27.11.18 मंगल प्रातः 9.50 से	28.11.18 बुध प्रातः 8.08 तक
24.12.18 सोम सायं 6.22 से	25.12.18 मंगल दोप. 3.54 तक
20.01.19 रवि रात्रि 5.22 से	21.01.19 सोम रात्रि 2.26 तक
17.02.19 रवि सायं 4.46 से	18.02.19 सोम दोपः 2.01 तक
16.03.19 रवि, रात्रि 2.13 से	17.03.19 रवि, रात्रि 12.10 तक

मोह का क्षय ही मोक्ष है।

राहुकाल

वार	समय	बेला
रवि	सायं	4.30 से 6.00
सोम	प्रातः	7.30 से 9.00
मंगल	अपराह्न	3.00 से 4.30
बुध	मध्याह्न	12.00 से 1.30
गुरु	अपराह्न	1.30 से 3.00
शुक्र	पूर्णाह्न	10.30 से 12.00
शनि	प्रातः	9.00 से 10.30

दिशा शूल विचार

पूर्व : सोमवार और शनिवार
पश्चिम : रविवार और शुक्रवार
उत्तर : मंगलवार और बुधवार
दक्षिण : गुरुवार

चन्द्र राशि विचार

पूर्व : मेष, सिंह, धनु
पश्चिम : मिथुन, तुला, कुंभ
उत्तर : कर्क, वृश्चिक, मीन
दक्षिण : वृषभ, कन्या, मकर

दान, परिग्रह रूपी पाप का प्रायश्चित्त है।

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

संघ -संरक्षकगण

संयोजक

श्री मोफतराजजी मुणोत–मुम्बई 23648004

संरक्षक

श्री नथमलजी हीरावत–जयपुर 2225095

श्री देवेन्द्रराजजी मेहता–जयपुर 93145-66665

श्री सुरेशदादा जैन–जलगाँव 2229325

श्री रिखबराजजी बाफना–जलगाँव 2272971

श्री ईश्वरलालजी ललवाणी–जलगाँव 2226681

श्री जसराजजी चौपड़ा–जयपुर 94133-49454

श्री रावलचन्दजी चौपड़ा–जोधपुर 78772-99301

श्री नवरतनजी कोठारी–जयपुर 2369831

श्री सरदारसिंहजी कर्नावट–मुम्बई 98330-09595

श्री सुमेरसिंहजी बोथरा–जयपुर 94140-48830

शासन-सेवा समिति

संयोजक

श्री रतनलालजी बाफना–जलगाँव 98230-76551

सह-संयोजक

श्री कैलाशचन्दजी हीरावत–जयपुर 99290-56442

सदस्य

श्री नथमलजी हीरावत–जयपुर	2225095
डॉ. मंजुलाजी बम्ब–जयपुर	93142-92229
श्री गौतमचन्दजी हुण्डीवाल–चेन्नई	94443-88565

ट्रस्टीगण गजेन्द्रनिधि/गजेन्द्र फाऊण्डेशन

श्री मोफतराजजी मुणोत–मुम्बई (मैनेजिंग ट्रस्टी)	23648004
श्री नवरतनजी कोठारी–जयपुर (चेयरमेन)	23693939
श्री बसन्तजी जैन–मुम्बई (कार्यकारी ट्रस्टी)	98203–50804
श्री सरदारसिंहजी कर्नावट–मुम्बई	98330–09595
श्री परागजी मुणोत–मुम्बई	98200–68668
श्री पारसचन्दजी हीरावत–मुम्बई	98210–13530
श्री राजीवजी हीरावत–मुम्बई	23690538
श्री आनंदजी सूर्यप्रकाशजी प्रवीणजी कर्नावट–मुम्बई	9619838614
श्री रतनराजजी भण्डारी–मुम्बई	93226–41172
श्री धनपतराजजी विजयराजजी भंसाली–मुम्बई	93239–61945
श्री अशोककुमारजी गुन्देचा–मुम्बई	98195–33600
श्री धर्मचन्दजी हीरावत–मुम्बई	23676581
श्री नरेन्द्रजी हीरावत–मुम्बई	98210–40899
श्री रायचन्दजी हीरावत–मुम्बई	98213–53734
श्री नरेन्द्रजी उम्मेदमलजी जैन–मुम्बई	98201–44185
श्री रविजी एन. जैन–मुम्बई	93200–85509
श्री प्रदीपकुमारजी कोठारी–मुम्बई	93222–21861
श्री कनकराजजी महेन्द्रजी कुम्भट–मुम्बई	97694–25842

श्री नरेशमलजी लोढ़ा–मुम्बई	98200–24739
श्री अजयजी मुणोत–मुम्बई	92102–25290
श्री मदनलालजी सांखला–मुम्बई	98200–57718
श्री सुरेन्द्रकुमारजी मेहता–मुम्बई	98201–88102
श्री सिद्धार्थजी नन्दकिशोरजी बाफना–मुम्बई	93209–05561
श्री अनिलजी पुखराजजी सुराणा–मुम्बई	98695–41530
श्री महावीरप्रसादजी,शांतिलालजी,अतुलजी,मुकेशजी पालरेचा–मुम्बई	99307–43711
श्री अनुरागजी भण्डारी–बैंगलोर	98450–00236
श्री चेतनप्रकाशजी डूंगरवाल–बैंगलोर	93412–54058
श्री भोपालचन्दजी पगारिया–बैंगलोर	94494–25535
श्रीमती किरणजी ललितजी बालिया–बैंगलोर	41223041
श्री गौतमचन्दजी गणेशमलजी भण्डारी–बैंगलोर	93414–35550
श्री पदमराजजी मेहता–बैंगलोर	99001–62517
श्रीमती सरोजाबाईजी मूथा–बैंगलोर	22221265
श्री यशवन्तराजजी ललितकुमारजी सांखला–बैंगलोर	98450–19669
श्री छगनमलजी शांतिलालजी लुणावत–बैंगलोर	98450–05130
श्री धनरूपचन्दजी अमितकुमारजी मेहता–बैंगलोर	93412–21084
श्री रतनलालजी बाफना–जलगाँव	98230–76551
श्री सिद्धार्थजी बाफना–जलगाँव	85529–71711
श्री सुरेशदादा जैन–जलगाँव	98200–47776
श्री ईश्वरलालजी ललवाणी–जलगाँव	98609–69000
श्रीमती पुष्पाजी ईश्वरलालजी ललवाणी–जलगाँव	2226682
श्री मनीषकुमारजी ललवाणी–जलगाँव	98600–99961
श्रीमती नीतिकाजी मनीषकुमारजी ललवाणी–जलगाँव	2226683

श्री अमरीशजी ईश्वरलालजी ललवाणी–जलगाँव	99210–01854
श्रीमती रूचीजी अमरीशजी ललवाणी–जलगाँव	2226681
श्री कस्तूरचन्दजी बाफना–जलगाँव	98222–18754
श्री सुशीलकुमारजी के. बाफना–जलगाँव	99755–66444
श्री अशोकजी भँवरलालजी जैन–जलगाँव	2258011
श्री रमेशजी मुणोत–जलगाँव	98230–27461
श्री महावीरजी सोहनलालजी बोथरा–जलगाँव	98231–15093
श्री कैलाशचन्दजी हीरावत–जयपुर	99290–56442
श्री अमिताभजी हीरावत–जयपुर	93145–00403
श्री सुमेरसिंहजी बोथरा–जयपुर	94140–48830
श्री प्रकाशचन्दजी कोठारी–जयपुर	98290–66500
श्री विमलचन्दजी डागा–जयपुर	98290–11588
श्री विमलचन्दजी हीरावत–जयपुर	98280–12929
श्री विनयकुमारजी कोठारी–जयपुर	98674–41111
श्री विनोदकुमारजी लोढ़ा–जयपुर	98281–11666
श्री प्रमोदकुमारजी लोढ़ा–जयपुर	98290–51083
श्री जसराजजी चौपड़ा–जयपुर	94133–49454
श्री संदीपजी भाण्डावत–जोधपुर	98280–31482
श्री पूरणराजजी अबानी–जोधपुर	93147–10985
श्री ज्ञानेन्द्रजी आदित्यजी बाफना–जोधपुर	91670–00003
श्री ज्ञानेन्द्रजी शुभेन्द्रजी बाफना–जोधपुर	99293–03333
श्री विरेन्द्रजी रोहितजी भंसाली–जोधपुर	98290–46081
श्री रावलचन्दजी चौपड़ा–जोधपुर	78772–99301
श्री नवरतनजी पुनीतजी डागा–जोधपुर	98280–32215

श्री केवलचन्दजी गुलेच्छा–जोधपुर	92144–31679
श्री सुभाषजी विकासजी गुन्देचा–जोधपुर	93147–00972
श्री सुमेरमलजी मनोजजी कांकरिया–जोधपुर	94145–63597
श्री सुरेशजी अनिलजी कांकरिया–जोधपुर	94141–26950
श्रीमती चंचलबाईजी अमितजी लोकेशजी कुम्भट–जो.	80033–41180
श्री राजेन्द्रकुमारजी कुम्भट–जोधपुर	98283–33000
श्री पदमचन्दजी मेहता–जोधपुर	94141–33983
श्रीमती विमलाजी मेहता–जोधपुर	93514–21637
श्री अमरचन्दजी जितेन्द्रजी लोढ़ा–जोधपुर	94614–37341
श्रीमती सुशीलाजी अनिलजी आशीषजी बोहरा–जोधपुर	98290–21879
श्री छतरचन्दजी अरूणजी सुनीताजी मेहता–जोधपुर	98281–41757
श्री श्रीपालमलजी उमरावमलजी सुराणा–चेन्नई	93810–37273
श्री झूमरमलजी बागमार–चेन्नई	94440–82424
श्री दुलीचन्दजी बागमार–चेन्नई	94444–56630
श्री दुलीचन्दजी कवाड़–चेन्नई	93800–56981
श्री जी. महावीरजी ललवाणी–चेन्नई	98401–11035
श्री कैलाशमलजी दुगड़–चेन्नई	98410–08585
श्री गणपतराजजी हेमन्तजी बागमार–चेन्नई	93810–04293
श्री ललितकुमारजी बागमार–चेन्नई	98411–74202
श्री राजेन्द्रकुमारजी बागमार–चेन्नई	98410–98836
श्री सम्पतराजजी धर्मचन्दजी भण्डारी–चेन्नई	98405–80408
श्री बुधमलजी बोहरा–चेन्नई	94442–35065
श्री राजेशजी विमलजी पवनजी बोहरा–चेन्नई	93810–01293
श्री गौतमचन्दजी दिनेशकुमारजी हुण्डीवाल–चेन्नई	94443–88565

श्री उम्मेदराजजी सुरेन्द्रकुमारजी हुण्डीवाल–चेन्नई	98407–18382
श्री महेन्द्रजी कांकरिया–चेन्नई	94440–51313
श्री मनोहरराजजी कांकरिया–चेन्नई	93814–66600
श्री हरीशकुमारजी कवाड़–चेन्नई	95001–14455
श्री पी. शिखरमलजी सुराना–चेन्नई	98844–30000
श्रीमती लीलावतीजी सुराना–चेन्नई	28120000
श्री विनोदकुमारजी सुराना–चेन्नई	98844–91000
श्रीमती रश्मिजी सुराना–चेन्नई	28120000
श्री अम्बालालजी कर्नावट–चेन्नई	94442–31120
श्री सुधीरकुमारजी सुराना–चेन्नई	93809–97333
श्री गौतमराजजी राजेशजी सुराना–चेन्नई	99405–58888
श्री के. कमलजी ओस्तवाल–चेन्नई	94440–10721
श्री पुखराजजी बागमार–चेन्नई	94444–64506
श्री उपेन्द्रकुमारजी बागमार –चेन्नई	90946–43355
श्री हेमन्तकुमारजी बागमार–चेन्नई	98415–39029
श्री सागरमलजी महावीरजी राजेशजी छाजेड़–चेन्नई	98410–80470
श्री प्रकाशमलजी आलोकजी शेखरजी कमलजी चोरडिया–चेन्नई	94446–46768
श्री प्रवीणजी मनोजजी संकलेचा–कुम्भकोणम	94432–95329
श्री मदनलालजी बोथरा–बीजापुर	94482–33763
श्री प्रवीणकुमारजी नितीनकुमारजी रूणवाल–बीजापुर	94225–91476
श्री सतीशजी रूणवाल–बीजापुर	94481–22212
श्री त्रिलोकचन्दजी विजयकुमारजी लुणावत–इन्दौर	93032–77378
श्री नगराजजी मोहनलालजी चोरडिया–इन्दौर	94250–60381
श्री अनूपकुमारजी संजयकुमारजी बाफना–इन्दौर	98930–40125

श्री हस्तीमलजी नेमीचन्दजी श्रीपालजी डोसी–मेड़तासिटी 94133–68997
श्री अनिलजी दुधेड़िया–अजमेर 98290–73250
श्री सुभाषजी विमलचन्दजी धोका–मैसूर 94485–39647
श्री किशोरजी छाजेड़–शोरापुर 94481–93300
श्री महावीरचन्दजी मनोजजी कमलेशजी बाफना–सूरत 90164–03553
श्री सुनीलकुमारजी निहालचन्दजी शांतिलाल जी नाहर–सूरत,पाली 98251–25718
श्री भंवरलालजी, प्रेमचन्दजी, शान्तिलालजी लोढ़ा–कानपुर 94150–43638
श्री बुद्धिप्रकाशजी नरेन्द्रकुमारजी महेन्द्रकुमारजी जैन–कोटा 94141–77139
श्री पी. हस्तीमलजी सज्जनराजजी उत्तमचन्दजी गुंदेचा–हैदराबाद 98664–14110

अ. भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ पदाधिकारीगण

अध्यक्ष

श्री पी. शिखरमलजी सुराना– चेन्नई 98844–30000

कार्याध्यक्ष

श्रीमती सुशीलाजी बोहरा–जोधपुर 94141–33879
श्री आनंदजी चौपड़ा–जयपुर 75686–20000

उपाध्यक्ष

श्री महेन्द्रकुमारजी कटारिया, नागपुर (दीक्षा समिति) 98503–45615
श्री नरेन्द्रजी हीरावत, मुम्बई (संघ–सेवा सोपान समिति) 98210–40899
श्री बुधमलजी बोहरा, चेन्नई (चातुर्मास समिति) 94442–35065
श्री बुद्धिप्रकाशजी जैन, कोटा (संगठन समिति) 94141–77139
डॉ. प्रेमसिंहजी लोढ़ा, जयपुर (स्वास्थ्य समिति) 93145–02203
श्री कांतिलालजी चौधरी–धुलिया (विहार समिति) 98231–72765
श्री यशवन्तराजजी सांखला, बैंगलोर (मुमुक्षु समिति) 98450–19669
श्री नवरतनजी डागा, जोधपुर (आचार्य हस्ती अहिंसा) 98280–32215

महामंत्री

श्री पूरणराजजी अबानी–जोधपुर 93147–10985

संयुक्त महामंत्री

श्री कैलाशमलजी भण्डारी–जोधपुर 99291–06314

श्री सूरजमलजी भण्डारी–चेन्नई 94444–14120

कोषाध्यक्ष

श्री बसन्तजी जैन–मुम्बई 98203–50814

सह-कोषाध्यक्ष

श्री नगराजजजी मेहता–जोधपुर 94141–27011

मंत्री

श्री राजेन्द्रजी जैन राजा–जयपुर 94142–24209

श्री तरूणजी बोहरा–जोधपुर 98412–11443

श्री विवेकजी लोढ़ा–जयपुर (शिक्षा समिति) 96101–11555

श्री धर्मेशजी चौपड़ा–बालोतरा (दीक्षा समिति) 94141–08191

श्री उपेन्द्रजी बोथरा–जयपुर (संघ सेवा सोपान समिति) 96600–20020

श्री मनोजजी कांकरिया–जोधपुर (चातुर्मास समिति) 94145–63597

श्री स्वरूपचन्दजी सुराना (संगठन समिति) 98290–41181

श्री मनमोहनजी कर्नावट–जोधपुर (स्वास्थ्य समिति) 94141–35385

श्री अशोककुमारजी सेठ–जयपुर (विहार समिति) 93146–25596

श्री मेघराजजी जैन–जयपुर (मुमुक्षु समिति) 93145–00191

संयोजक- विधिक एवं सम्पत्ति

श्री मानेन्द्रजी ओस्तवाल–जोधपुर 94141–32521

दिए बिना सोना नहीं, देकर कभी रोना नहीं।

संयोजक-वीतराग ध्यान साधना केन्द्र

श्री नवरतनमलजी भंसाली, बैंगलोर 98441–58943

मंत्री

श्री विरेन्द्रकुमारजी जामड़, जयपुर 94148–88043

संयोजक-शरदचन्द्रिका मोफतराज मुणोत श्री जैन रत्न वात्सल्य निधि

श्री सुमतिचन्दजी मेहता–पीपाड़शहर 94144–62729

संयोजक-आचार्य हस्ती मेधावी छात्रवृत्ति योजना

श्री हरीशजी कवाड़–चेन्नई 95001–14455

क्षेत्रीय प्रधान-मारवाड़ सम्भाग

श्री पारसमलजी गिड़िया–जोधपुर 94601–08060

क्षेत्रीय प्रधान-मध्य राज. सम्भाग

श्री अनिलजी दुधेड़िया–अजमेर 98290–73250

क्षेत्रीय प्रधान-जयपुर सम्भाग

श्री विनोदकुमारजी मेहता–दूदू 98292–70400

क्षेत्रीय प्रधान-पल्लीवाल सम्भाग

श्री क्रांतिचन्दजी मेहता–अलवर 98290–97728

क्षेत्रीय प्रधान-पोरवाल सम्भाग

श्री कुशलजी गोटेवाला–स.मा 94604–41570

क्षेत्रीय प्रधान-गुजरात सम्भाग

श्री प्रकाशचन्दजी मेहता–उमरगांव 92278–44589

क्षेत्रीय प्रधान-महाराष्ट्र सम्भाग

श्री महावीरचन्दजी बोथरा–जलगाँव 98231–15093

क्षेत्रीय प्रधान-मध्यप्रदेश सम्भाग

श्री सुमेरचन्दजी चोरडिया–इन्दौर 94250–60381

क्षेत्रीय प्रधान-तमिलनाडू सम्भाग

श्री दुलीचन्दजी बागमार, चेन्नई 94444–56630

क्षेत्रीय प्रधान-आन्ध्रप्रदेश सम्भाग

श्री हस्तीमलजी गुन्देचा, हैदराबाद 98664–14110

क्षेत्रीय प्रधान-कर्नाटक प्रदेश सम्भाग

श्री पारसमलजी बोथरा, बीजापुर 94483–74007

क्षेत्रीय प्रधान-पूर्वी भारत सम्भाग

श्रीमती मंजूजी भण्डारी–कोलकाता 98312–54044

क्षेत्रीय प्रधान-दिल्ली सम्भाग

श्री अशोकजी सुराना–दिल्ली 98110–20399

सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल, जयपुर

फोन 0141-2575997/2571163 फैक्स-0141-2570753

अध्यक्ष

श्री पारसचन्दजी हीरावत–मुम्बई 98210–13530

कार्याध्यक्ष

श्री पदमचन्दजी कोठारी–अहमदाबाद 94293–03088

श्री प्रमोदजी महनोत–जयपुर 98290–52094

मंत्री

श्री विनयचन्दजी डागा–जयपुर 93145–06509

कोषाध्यक्ष

श्री श्रीचन्दजी बेताला–जयपुर 93145–06949

अ. भा. श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, जोधपुर

फोन 0291-2636763

परामर्शदाता

श्रीमती मधुजी सुराणा–चेन्नई 93826–79660

श्रीमती मंजूजी भण्डारी–बैंगलोर 93426–77066

अध्यक्ष

श्रीमती पूर्णिमाजी लोढ़ा–जयपुर 98290–19396

कार्याध्यक्ष

श्रीमती मीनाजी गोलेच्छा–जयपुर 93144–66039

श्रीमती प्रमिलाजी दुगड़–चेन्नई 98450–00236

महासचिव

श्रीमती बीनाजी मेहता– जोधपुर 97727–93625

कोषाध्यक्ष

श्रीमती रेखाजी सुराणा– जोधपुर 94614–75910

अ. भा. श्री जैन रत्न युवक परिषद्, जोधपुर

फोन 0291-2641445

परामर्शदाता

श्री अमिताभजी हीरावत–जयपुर 93145–00403

अध्यक्ष

श्री राजकुमारजी गोलेच्छा–पाली 98290–20742

कार्याध्यक्ष

श्री राजेन्द्रजी लुंकड़–इरोड़ 93600–25001

श्री लोकेशजी कुम्भट–जोधपुर 80033–41180

महासचिव

श्री मनीषजी पी. लोढ़ा–जोधपुर 94144–17817

कोषाध्यक्ष

श्री चिरागजी कांकरिया–सूरत 97310–78074

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर

फोन 0291-2624891

निदेशक

श्री जगदीशमलजी कुम्भट–जोधपुर 87640–34586

संयोजक

श्री ओमप्रकाशजी बांठिया–बालोतरा 94615–22309

सचिव

श्री गोपालराजजी अबानी– जोधपुर 80036–15215

कोषाध्यक्ष

श्री लोकेन्द्रनाथजी मोदी–जोधपुर 94131–64703

अ. भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

फोन 0291-2630490

निदेशक

श्री नरपतराजजी चौपड़ा–जोधपुर 94604–22134

संयोजक

श्री अशोकजी चोरडिया–जोधपुर 94141–29162

सचिव

श्री नवरतनजी गिड़िया–जोधपुर 94141–00759

कोषाध्यक्ष

श्री आदित्य सिद्धार्थजी गांग–जोधपुर 98289–31374

अ. भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक संस्कार केन्द्र, जोधपुर

फोन 0291-2622623

निदेशक

श्री कस्तुरचन्दजी बाफना, जलगाँव 98222–18754

संयोजक

श्री हर्षवर्द्धनजी ललवाणी–जोधपुर 98281–97000

सचिव

श्री राजेशजी भण्डारी– जोधपुर 94610–13878

कोषाध्यक्ष

श्री संजयजी सुराणा–जोधपुर 98283–49715

मेरे अन्तर भया प्रकाश

आचार्य श्री हस्तीमलजी म.सा.

मेरे अन्तर भया प्रकाश, नहीं अब मुझे किसी की आश।

काल अनन्त रुला भव–वन में, बंधा मोह के पाश
काम क्रोध मद लोभ भाव से, बना जगत् का दास।।

तन धन परिजन सब ही पर हैं, पर की आश निराश।
पुद्गल को अपना कर मैंने, किया स्वत्व का नाश।।

रोग शोक नहीं मुझको देते, जरा मात्र भी त्रास।
सदा शान्तिमय मैं हूँ मेरा, अचल रूप है खास।।

इस जग की ममता ने, मुझको डाला गर्भावास।
अस्थि मांस मय अशुचि देह में, मेरा हुआ निवास।।

ममता से संताप उठाया, आज हुआ विश्वास,
भेद–ज्ञान की पैनी धार से, काट दिया वह पाश।।

मोह मिथ्यात्व की गांठ गले, जब होवे ज्ञान प्रकाश।
"गजेन्द्र" देखे अलख रूप को, फिर न किसी की आश।।

आचार्य परम्परा

(तर्ज-सुज्ञानी जीवा)

प्रतिदिन जप लेना, त्यागी गुरुओं को भविजन भाव से।।टेर।।

महावीर के शासन भूषण, धर्मदास मुनिराय।
परम प्रतापी धर्म प्रचारक, थे आचार्य महान् हो।।1।।

शिष्य निन्नाणु हुए आपके, ज्ञान क्रिया में शूर।
धन्नाजी ने मरुभूमि से, किया कुमत को दूर।।2।।

पट्टधर भूधर पूज्य प्रतापी, शिष्य जिन्हों के चार।
रघुपत, जयमल, जेतसी अरू कुशलचन्द्र लो धार हो।।3।।

रघुपत, जयमल, कुशलाजी के, हुआ शिष्य समुदाय।
कुशलवंश के पूज्यों का मैं, ध्यान करू–चितलाय हो।।4।।

गुमानचन्द्र और रत्नचन्द्रजी, शासन के शृंगार।
चाचा गुरु थे रत्नचन्द्र के, दुर्गादास अनगार हो।।5।।

चार बीस संवत्सर लग, रखने को सम्मान।
रत्नचन्द्र गणिपद नहीं लीना, पूज्य दुर्ग को मान हो।।6।।

दुर्गादास के बाद रत्नमुनि, को दीना गण भार।
गुरु गुमान की मर्यादा में, गणपति थे सुखकार हो।।7।।

कुशलवंश के पूज्य तीसरे, हमीरमल्ल मुनिराय।
परम प्रतापी पूज्य कजोड़ी, महिमा कही न जाय।।8।।

पंचम पूज्य बहुश्रुतधारी, विनयचन्द्र मुनिराज।
शोभाचन्द्र जी पूज्य हुए छठे, दमियों के सिरताज।।9।।

वादीमर्दन कनीराम जी, बालचन्द्र तपधार।
चन्दन मुनिवर शीतल–चन्दन, मुनित्रय थे सुखकार।।10।।

'गजेन्द्र' सब पूज्यों का अनुचर, करता उनका ध्यान।
भाव सहित जो पढ़े भविकजन, पावे सौख्य निधान हो।।11।।

नित्य रात्रि को सागारी संथारा लेने का पाठ

आहार, शरीर उपधि, पच्चक्खूँ पाठ अठार।
मरण पाऊँ तो वोसिरे, जीऊँ तो आगार।।

सुबह उठकर तीन नवकार मंत्र बोलकर सागारी संथारा पाले

अरिहंतो महदेवो, जावज्जीवं सुसाहुणो गुरुणो।
जिण पण्णत्तं तत्तं, इय सम्मत्तं मए गहियं।।

भावार्थ

अरिहन्त भगवान मेरे देव हैं।
जीवन पर्यन्त सुसाधु मेरे गुरु हैं।
जिनेश्वर प्ररूपित तत्त्व धर्म है।
यह सम्यक्त्व मेरे द्वारा ग्रहण किया जाता है।

जो रवि उदय से अस्त तक.....

(आचार्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा.)

जो रवि उदय से अस्त तक, विश्राम कुछ करते नहीं।
स्वाध्याय, चिंतन–मनन–पाठन में, कभी थकते नहीं।। 1।।

ले काम कोई हाथ में, पीछे कदम करते नहीं।
व्रत मार्ग की जो आपदाओं, से कभी डरते नहीं।। 2।।

रहते अटल निज धारणा से, जो कभी टलते नहीं ।
अप्रिय प्रसंगों पर कभी जो, मन से भी जलते नहीं।। 3।।

जो शान्त चित्त उदार हैं, निर्मल हृदय अभिराम हैं।
उन पूज्य हस्ती मुनीश को, "हीरा" के अनेक प्रणाम हैं।। 4।।

61

आवश्यक फोन

समर्पण में शर्त नहीं, आज्ञा में अपील नहीं

आवश्यक फोन

63

आवश्यक फोन

सत्य बदलता नहीं, हमें बदल देता है

64

आवश्यक फोन

स्वाध्याय संस्कार का बड़ा साधन है

विशिष्ट तिथियाँ

आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमलजी म. सा.

जन्म दिवस (109 वाँ) पौष शुक्ला 14 रविवार 20.01.2019

दीक्षा दिवस (99 वाँ) माघ शुक्ला 2 बुधवार 06.02.2019

आचार्य पदारोहण दिवस (89 वाँ) वैशाख शुक्ला 3 बुधवार 18.04.2018

स्मृति दिवस (27 वाँ) वैशाख शुक्ला 8 सोमवार 23.04.2018

आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म. सा.

जन्म दिवस (81 वाँ) चैत्र कृष्णा 8 गुरुवार 28.03.2019

दीक्षा दिवस(56 वाँ) कार्तिक शुक्ला 6 मंगलवार 13.11.2018

आचार्य पद दिवस (28 वाँ) प्र. ज्येष्ठ कृष्णा 5 शनिवार 05.5.2018

उपाध्यायप्रवर पं. रत्न श्री मानचन्द्रजी म. सा.

जन्म दिवस (85 वाँ) माघ कृष्णा 4 गुरुवार 24.01.2019

दीक्षा दिवस (56 वाँ) वैशाख शुक्ला 13 शनिवार 28.04.2018

उपाध्याय पद दिवस (28 वाँ) वैशाख शुक्ला 9 मंगलवार 24.04.2018

विशिष्ट तिथियाँ

शासनेश प्रभु महावीर जन्म कल्याणक

चैत्र शुक्ला 13 गुरुवार 29.03.2018

संघ स्थापना दिवस

वैशाख शुक्ला 11 गुरुवार 26.04.2018

222वाँ क्रियोद्धार दिवस

आषाढ़ कृष्णा 2 शनिवार 30.06.2018

शासनेश प्रभु महावीर निर्वाण कल्याणक

कार्तिक कृष्णा 30 बुधवार 07.11.2018

संकल्प

मैं जैन हूँ।
मुझे जैन होने पर गर्व है।
देवाधिदेव अरिहन्त भगवान मेरे देव हैं।
सुसाधु मेरे गुरु हैं।
जहाँ दया है, वहाँ धर्म है।
मैं अपने आपको देव-गुरु-धर्म
एवं संघ के प्रति समर्पित करता हूँ।

जैनं जयति शासनम्

परस्परोपग्रहो जीवानाम्